शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

सामाजिक, नैतिक और शैक्षिक गीतों का संकलन

गीतांजलि सृजन

माह - मई 2023

संकलन - गीतांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- सोमवार

दिनांक- 01-05-2023

287

तर्ज - कुमार विश्वास मुक्तक

गीत- बेटा बेटी एक समान

यह बेटी भी तुम्हारी है यह बेटा भी तुम्हारा है,
जन्मे एक कोख से दोनों तो बेटा क्यों दुलारा है।
जहाँ बेटी और बेटे में जरा भी फर्क होता है,
वहाँ बेटी का बचपन सिसक कर खूब रोता है।।

बेटा कुल का दीपक है तो बेटी उसकी बाती है,
जरा सा प्यार इनको दो तो कैसे मुस्कराती हैं।
बेटी धन पराया है जो ऐसी सोच रखते हैं,
वो अपने घर में बेटी को समझ कर बोझ रखते हैं।।

बेटी हर जगह अपना हुनर अब दिखाती है,
न डरती है किसी से वो अब सबको डराती है।
वो माँ को हँसाती है पिता को यह बताती है।
न कमजोर तुम समझो अब बेटी भी कमाती है।।

समझ जाओ तुम अब भी समय तुमको सिखाता है,
बिना बेटी के जीवन कहाँ सुन्दर बन पाता है
हमें बेटी और बेटे का बराबर मान रखना है,
किसी भी घर की हो बेटी उसका सम्मान रखना है।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन दिन- मंगलवार

दिनांक- 02/05/2023

288

नशा मुक्ति गीत

तर्ज - मिलो न तुम तो हम घबराएं .....

बीड़ी छोड़ो, गुटखा छोड़ो,
छोड़ो तुम शराब।
नशा होता है बहुत खराब -2

पैसा तो जाएगा, सेहत भी जाएगी साथ में,
हाँ साथ में।
बीमारी लग जाएगी, तेरे कोमल गात में,
हाँ गात में।
अल्सर होगा, कैंसर होगा, होगा तू बर्बाद।
नशा होता है बहुत खराब।।
बीड़ी छोड़ो.....

खुद तो बिगड़ेगा, बिगड़ जाएगा यह परिवार भी,
हाँ परिवार भी,
बच्चे पढ़ न पाएंगे, हो न पाएगा सुधार भी,
हाँ सुधार भी।
बीवी बच्चे सब रोएंगे, करेगा तू फरियाद।
नशा होता है बहुत खराब।।
बीड़ी छोड़ो.....

हम सबको मिलकर, अब यह कदम उठाना है,
हाँ उठाना है,
भारत देश को, नशे से मुक्त कराना है,
हाँ कराना है।
नशे की आदत है महामारी, इसका करेंगे नाश।
नशा होता है बहुत खराब।।
बीड़ी छोड़ो.....

रचना

हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

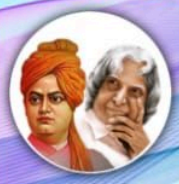

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- बुधवार

दिनांक- 03.05.2023

289

तर्ज़- सावन का महीना

गीत- विवाह आशीर्वाद

सदा सुखी, सम्पन्न रहे, एक प्यारा सा परिवार।
बहे प्रेम की धारा, दें आशीर्वाद हजार।।

सात फेरे, सात वचन, भूल न जाना,
माँ-पिता की सेवा करके, फर्ज निभाना।
अमर रहे यह जोड़ी, आपस में उमड़े प्यार,
बहे प्रेम की धारा, दें आशीर्वाद हजार।।

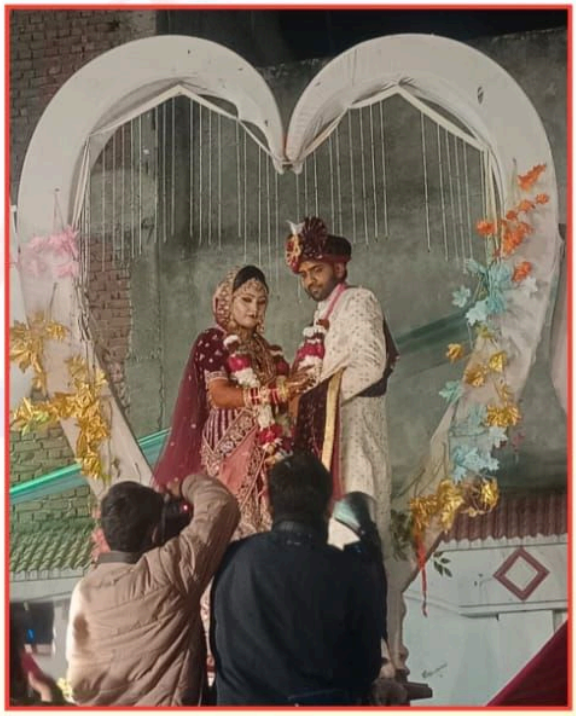

फूलों सा मुस्कुराना, कोयल सी बोली,
वाणी में हो मधुरता, मुख मिश्री घोली।
महक उठे घर आंगन, चहक उठे संसार,
बहे प्रेम की धारा, दें आशीर्वाद हजार।।

छल, कपट से दूर हो, सुखमय जीवन,
कभी भी ना कम हो यह अपनापन।
दुखियों का बनो सहारा, खुशियों की बौछार,
बहे प्रेम की धारा, दें आशीर्वाद हजार।।

रचना - मंजू शर्मा (स0अ0)
प्रा0 वि0 नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- गुरुवार

दिनांक- 04.05.2023

290

गीत-देखकर ये गाँव सुन्दर....

तर्ज़ -साँवली सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया...

देखकर ये गाँव सुन्दर, मन कहीं है खो गया...
इन हरे पेड़ों से वातावरण सुन्दर हो गया....
मन कहीं मेरा खो गया है, मन कहीं मेरा खो गया...
देखकर ये गाँव सुन्दर, मन कहीं है खो गया...

एक तो ये वन-बगीचे, दूसरा फूलों भरे...
तीसरे...तीसरे कलियों का ऐसे मुस्कुराना हो गया...
देखकर ये गाँव सुन्दर, मन कहीं है खो गया...

एक तो तालाब-नदियाँ, दूसरे झरने बहें,
तीसरे....तीसरे बदली का ये बूँदे गिराना हो गया...
देखकर ये गाँव सुन्दर, मन कहीं है खो गया...

एक तो खेतों की फसलें, दूसरे बहती हवा,
तीसरे...तीसरे भँवरों का गुन-गुन गुनगुनाना हो गया...
देखकर ये गाँव सुन्दर, मन कहीं है खो गया...

देखकर ये गाँव सुन्दर, मन कहीं है खो गया...
इन हरे पेड़ों से वातावरण सुन्दर हो गया.....
मन कहीं मेरा खो गया है, मन कहीं मेरा खो गया...
देखकर ये गाँव सुन्दर, मन कहीं है खो गया...

रचना

शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिनांक- 05/05/2023 दिन-शुक्रवार

291

तर्ज- पापा कहते हैं

युवा सपने

मैने ठाना है अपना नाम करुगाँ,
सपनों को अपने साकार करुँगा।
लेकिन नहीं जानता, करना है मुझे क्या?

मन में है आता डाक्टर बन जाऊँ,
सारे रोगों को मैं दूर भगाऊँ।
गरीबों का मुफ्त मैं इलाज करुँगा।।
सपनों को....

मन में है आता शिक्षक बन जाँऊ,
निरक्षरता को दूर मैं भगाँऊ।
मुफ्त मैं शिक्षा का दान करुगाँ।।
सपनों को....

मन में है आता वैज्ञानिक बन जाँऊ,
नयी-2 तकनीकें सबको बताँऊ।
विश्व में तिरंगा मैं ऊँचा करुँगा।।
सपनों को....

रचना-
श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

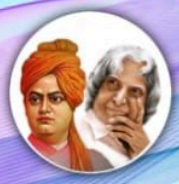

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शनिवार

दिनांक- 06.05.2023

292

तर्ज़- दीदी तेरा देवर दीवाना

शिक्षा गीत

मुन्ना-मुन्नी सबको पढ़ाना,
हर स्कूल शिक्षा का है खजाना।
सबका जीवन बेहतर बनाना,
हर स्कूल शिक्षा का है खजाना।।

पढ़ोगे, लिखोगे, तरक्की करोगे,
अगर ना पढ़े, आगे कैसे बढ़ोगे?
आसान जीवन की राहें बनेंगीं,
विद्या से जीवन की बगिया सजेगी।
सब मंजिल का शिक्षा है ठिकाना,
हर स्कूल शिक्षा का है खजाना।।

आना समय पर बहन और भैया,
पार लगेगी सबकी जीवन की नैया।
शिक्षा की पतवार खिवैया बनेगी,
सबके लिए ज्ञान की ज्योति जगेगी।
अज्ञानता का हमको तम है हटाना,
हर स्कूल शिक्षा का है खजाना।।

रचना - पूनम नैन (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 मुकंदपुर (1-8)
छपरौली, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन-सोमवार

दिनांक- 08/05/2023

293

तर्ज: मेरा नाम है चमेली....

विदाई गीत

मईया मैं तो तेरी छाया,
तेरा गुण मुझमें समाया।
चली जाऊँगी इक दिन मैं तुझको छोड़के।।
सुन लो, सुन लो भईया प्यारे,
तुम ही घर के राजदुलारे।
जाती है ये बहना सबकुछ तुझपे छोड़के।।

मेरी पहली किलकारी से घर अंगना था झूमा,
गोद में अपनी लेकर बाबा ने माथा था चूमा।
आज वही किलकारी मेरी सिसकी बनके आयी,
छोड़ चली घर अंगना बाबा लाडो हुई पराई।
बाबा कर दो विदा मुझे इस घर से।
सुन लो, सुन लो बाबा मेरे,
नयन तकेंगे पथ शाम सवेरे।
जल्दी आना बेटी कहती ये दुलार से।
जिन गलियों में बचपन बीता,
आज उन्ही से नाता टूटा।
छूट गयी सब सखी सहेली मन के कोर से।।

मैं तेरे अमवा की मैया, ऐसी हूं कोयलिया,
कुहुके अब दूजे के अंगना, ले गया उसे बहेलिया।
मैं तेरे द्वारे की बाबुल सुन्दर सी रंगोली,
अच्छा अब चलती हूं लो जाती है मेरी डोली।
करना न जुदा मुझे अपने दिल से।
सुन लो, सुन लो मेरी बहना,
अब अंगना का तू ही गहना।
बंध गयी डोर मेरी अब दूजे चितचोर से।
घड़ी विदा की ऐसी आयी,
द्वारे बाज रही शहनाई।
जाती हूं मैं सारी यादों को अब जोड़के।।

रचना🙏
डॉ० शालिनी गुप्ता (स०अ०)
कम्पोजिट स्कूल मुर्धवा
म्योरपुर, सोनभद्र

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- मंगलवार

दिनांक- 09/05/2023

294

तर्ज - सात अजूबे इस दुनिया में

परिवार

सात सुरों की सरगम जैसा,
यह अपना परिवार।
अरे हँसते-गाते साथ में हरदम,
जीने का आधार।। हो हो हो........

कोई समस्या आए संग में हम झेलें,
दीप जलाते साथ में होली हम खेलें।
कोई हो सुख या दुख हो,
परिवार हमेशा खुश हो।।
अरे स्वर्ग से सुन्दर और सुहाना
लगता है घर द्वार।। हो हो हो.....

मात-पिता के आशीषों के साये में,
जीवन खुशियों से सदा भर जाये ये।
ताकत एक-दूजे की बन,
बाँधे हम प्यार का बन्धन।।
अरे जीवन के हर रंग को,
साझा करता है परिवार।। हो हो हो......

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शनिवार

दिनांक- 13-05-2023

295

तर्ज- पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा....

गीत- शिष्टाचार

अपने बड़ों का जो सम्मान करेगा,
सुबह उठ उन्हें प्रणाम करेगा।
अपने बड़ों का कहना जो माने,
उसको सफलता मिलेगी यहाँ।।

शिक्षा जो देते गुरु तुम्हारे,
गुरुओं के दिल में अरमां ये है।
बच्चें हमारे बेहतर बनेंगे,
उनके भविष्य का सपना ये है।
मेहनत से जो नहीं डरेगा,
दुनिया में नाम अपना रोशन करेगा।
गुरुओं की बातें जो भी माने,
उसको सफलता मिलेगी यहाँ।।

अपनी तो इच्छा देश की सेवा,
जान भी अपनी कर दूं निसार।
वृद्धों की सेवा जो तुम करोगे,
देंगे तुम्हें खूब प्यार।
अपने छोटों को जो प्यार करेगा,
छोटा भी उसका मान धरेगा।
चारों तरफ नजर तो डालो,
तुमको खुशियाँ मिलेंगी यहाँ।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- सोमवार

दिनांक- 15-05-2023

296

तर्ज- मिलती है जिन्दगी में...

गीत- मिलता है कर्म करने का...

मिलता है कर्म करने का मौका कभी-कभी-2।
जीतीं हैं रोशनी बनके सदियाँ कभी-कभी-2।।

कर्मों से दूर हो न, करो कर्म सदा तुम।
फल पाओगे सदा शुभ, दुःख हो कभी-कभी।।
मिलता है कर्म करने का, मौका कभी-कभी।।

उपकार, प्रेम, नेह का बन्धन कटे नहीं-2।
घर में हो रामराज, जरूरत कभी-कभी-2।।
मिलता है कर्म करने का मौका कभी-कभी।।

नीयत बुरी रहे तो बुरा पाओगे सदा-2।
अच्छे करोगे कर्म तो अच्छा सभी यहीं-2।।
मिलता है कर्म करने का मौका कभी-कभी।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन दिन- मंगलवार
दिनांक- 16-05-2023

वृक्ष बचाओ 297

तर्ज़ ~ देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान

समय ने बदली अपनी धारा,
तड़प रहा ये जहान।
अब तो रुक जा ओ इंसान,
काट काटकर बाग-बगीचे,
उजाड़ रहा है जहान।
अब तो रुक जा ओ इंसान।।

तप जो रही है धरती अपनी,
शीतल छाया कैसे आये?
सूख रही हैं फसलें अपनी,
वर्षा बिन हैं जन अकुलाये।
धरती की जो प्यास बुझा दे,
कहां है अब वो ज्ञान?
अब तो रुक जा ओ इंसान।।

वृक्ष नहीं तो जीवन कैसे?
गर्मी से तो हाल बुरा है।
लक्ष्य बना लें पर्यावरण का,
तरु से जीवन तार जुड़ा है।
गर्म हवाएं हो जायें शीतल,
देश हो अब खुशहाल।
अब तो रुक जा ओ इंसान।।

धरती अपनी हरी-भरी हो,
शस्य श्यामला हो हर वासी।
गांवों तक समृद्धि जाये,
शहरों में भी न हो उदासी।
भारत का उन्नत हो माथा,
गूंजे राष्ट्रगान।
अब तो रुक जा ओ इंसान।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी
जनपद- गोरखपुर

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- बुधवार

दिनांक- 17.05.2023

298

तर्ज:- हमें और जीने की चाहत न होती

गीत- गुरु और ज्ञान

जीवन में ज्ञान की रोशनी न होती,
शिक्षक न होते, गर शिक्षा न होती।

मन से तमस को गुरु हैं मिटाते,
जीवन में भरते गुरु हैं उजाले।
ज्ञान की ज्योति जगायी न होती,
शिक्षक न होते, गर शिक्षा न होती।।

सही और गलत का बोध हैं कराते,
ज्ञान का खज़ाना हैं हम पर लुटाते।
हुई दूर हमसे फिर बुराई न होती,
शिक्षक न होते, गर शिक्षा न होती।।

ईश्वर से बढ़कर ये गुरु हैं हमारे,
जीने के हमको सुपथ हैं दिखाते।
ज्ञान पिपासा बुझायी न होती,
शिक्षक न होते, गर शिक्षा न होती।।

दूर करके अवगुण स्वयं से मिलाते,
देकर हमें शिक्षा परिपूर्ण हैं बनाते।
पार हमारी नैया लगायी ना होती,
शिक्षक न होते, गर शिक्षा न होती।।

रचना- पूनम नैन (स0अ0)
कंपोजिट विद्यालय मुकंदपुर
छपरौली, बागपत

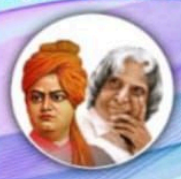

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- गुरुवार

दिनांक- 18 मई 2023

299

तर्ज: बहारो फूल बरसाओ, मेरा महबूब आया है।

गीत: धरातल के रूप

धरातल के रूपों को, तुम्हें हम आज बताते हैं,
तुम्हें हम आज बताते हैं।

पर्वत रूप धरातल का, जो उससे ऊंचा होता है।
नुकीले सिरे, ढाल उसका सपाट होता है, सपाट होता है।
धरातल के रूपों को, तुम्हें हम बताते हैं,
तुम्हें हम आज बताते हैं।।

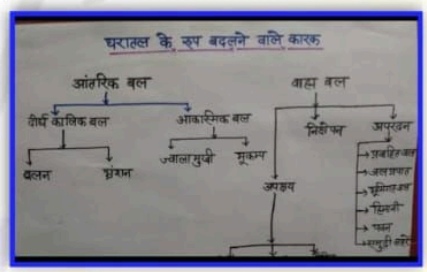

पठार रूप धरातल का, पर्वतों से नीचा है,
शिखर समतल, खड़ा ढाल, उसका ही होता है।
धरातल के रूपों को, तुम्हें हमआज बताते हैं,
तुम्हें हम आज बताते हैं।।

महाद्वीप, महासागर, डेल्टा नदी घाटियां हैं,
धरातल के ये रूप, बड़े अनोखे हैं
ये रूप बड़े अनोखे हैं।
धरातल के रूपों को, तुम्हें हम आज बताते हैं,
तुम्हें हम आज बताते हैं।।

रचना- नीलम सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रतनगढ़ी
हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शुक्रवार

दिनांक- 19.05.2023

300

गीत- माँ शारदे! माँ शारदे.....

तर्ज़- ओ सायबा.. ओ सायबा...

माँ शारदे! माँ शारदे!
माँ शारदे! माँ शारदे!
तुम्हारी महिमा हम, ओ मातु गायेंगे।
तुम्हारे चरणों में ये सिर झुकायेंगे।
माँ शारदे! माँ शारदे!
माँ शारदे! माँ शारदे!

अपनी दया मैया, हम पे सदा रखना।
आँचल में अपने हमको सदा रखना।।
तुम करना वर्षा, जग ज्ञान से फूले-फले।।
माँ शारदे! माँ शारदे!
माँ शारदे! माँ शारदे!

ज्ञान की दो ज्योति, फैले उजियारा।
हर मन में बह जाये, सद्गुणों की धारा।।
माँ शारदे! माँ शारदे!
माँ शारदे! माँ शारदे!

रचना

शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन-शनिवार

दिनांक- 20/05/2023

301

तर्ज: मुझे इश्क है तुम्ही से....

गीत: जीवन की कहानी

जीवन के इस सफर की,
इतनी सी है कहानी।
कभी आग का है दरिया,
कभी निर्मल जल सा पानी।।

कभी जिन्दगी में सुख है,
कभी आँख में नमी है।
कभी गम की काली छाया,
कभी शीतल चाँदनी है।
आँखों में बहता पानी,
कहे अपनी इक कहानी।।
कभी.....

कल की फिकर ना कर तू,
जो बीता सो है बीता।
खुलकर जियो इस पल को,
ये पल नहीं किसी का।
कल था तुम्हारा बचपन,
अब है तेरी जवानी।
परसों फिर है बुढ़ापा,
फिर खत्म ये कहानी।।
जीवन.....

मुट्ठी थे बाँधे आये,
खाली है हाथ जाना।
कुछ बोल मीठा बोलो,
बस साथ ये ही जाना।
घड़ी भर की जिन्दगी से,
खुशियाँ हैं बस चुरानी।।
कभी.....

रचना🙏

डॉ शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मुर्धवा (कंपोजिट)
म्योरपुर, सोनभद्र

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- सोमवार

दिनांक- 22/05/2023

तर्ज़- दोहा

302

गीत- प्रकृति संरक्षण

तापमान दिन-दिन बढ़े, बढ़े प्रदूषण रोज।
जहर हवा में घुल रहा, क्षीण प्रकृति का ओज।।

समझदार मानव है प्राणी, जिसका जग में कोइ न सानी।
सुविधा हेतु यंत्र बनाया, नये-नये सुख साधन लाया।।

अति हर्षित मानव आबादी, पायी सबने सुख की चाभी।
भूल गये प्रकृति संरक्षण, करने लगे प्रकृति का दोहन।।

वन को काटे और जलाए, नदियाँ सूखीं समझ न पाये।
पानी की किल्लत जब आयी, रोग से ग्रसित हुए सब जाई।।

जल स्तर कम होता जाता, तापमान बेचैनी लाता।
व्याकुल पशु-पक्षी सब होवें, देख दशा प्रकृति की रोवें।।

करुण दशा से मुक्ति हो, धरती करे पुकार।
मानव जन अब चेत लो, बच जाए संसार।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- मंगलवार

दिनांक- 23-05-2023

303

तर्ज- सवैया

गीत- ग्रीष्म ऋतु

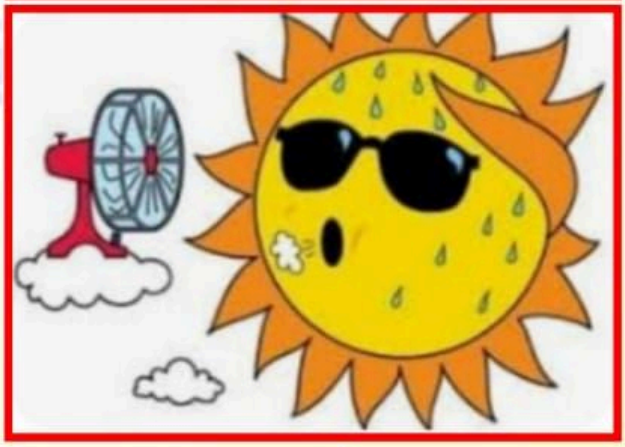

ग्रीष्म ऋतु बरसाय रही है,
आग धरा सब लाल हुई है।
सहमे हैं नर-नारि, पशु,
पक्षी, निशि-वासर चैन नहीं है।।

नभ से बरसे चहुँ ओर है आग,
मकान तपे चहुँ आँच लगे है।
पेड़न के ढिंग चैन नहीं है,
देखो सभी किस ओर भगे हैं।।

हर वस्तु छुओ तो लागे गरम,
है, देखो दशों दिशि आग जमी है।
जाने कहाँ गयी ठण्ड़ी बयार है,
गर्मी में गरम सब, नाहिं नमी है।।

रचना

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन दिन-बुधवार

दिनांक- 24/05/2023

304

तर्ज- सजन रे झूठ मत बोलो

जल संरक्षण

सुनो भाईयों! जल को बचालो,
हर एक बूँद को संजोलो।
हमें जल को बचाना है,
धरा को स्वच्छ बनाना है।।

बिना जल के नहीं जीवन,
नहीं तेरा या मेरा तन।
हमें जीवन बचाना है।।
धरा को------

आज करते हो तुम बर्बाद,
करोगे फिर पछताकर याद।
भविष्य को आबाद बनाना है।।
धरा को------

आज एक छोटा सा प्रयास,
बँधा देगा तुमको एक आस।
मन में संकल्प जगाना है।।
धरा को-------

रचना-
श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- गुरुवार

दिनांक- 25/05/2023

305

तर्ज- सजन रे झूठ....

जल को बचाना है...

सुनो भैया, सुनो बहना,
हमें जल को बचाना है।
प्रदूषित ना करें इसको,
कसम ये आज खाना है।। सुनो भैया.........

बनाकर मेड़ खेतों में,
लगाकर वृक्ष मेड़ो में।
फर्ज अपना निभाना है-2
कसम ये आज खाना है।। सुनो भैया.........

व्यर्थ ना जल बहाएँ हम,
आदतों में रहे संयम।
भविष्य को जो बचाना है-2
कसम ये आज खाना है।। सुनो भैया.........

रहे अविरल ये जलधारा,
है जीवन जल से ही सारा।
जो आगे ना पछताना है-2
कसम ये आज खाना है।। सुनो भैया.........

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शुक्रवार

दिनांक- 26-05-2023

306

तर्ज- होटों से छू लो तुम....

वृक्षारोपण

पेड़ों को न काटो तुम, धरती पर रहम कर दो।
एक पेड़ लगाके तुम, धरती को हरा कर दो।।

न पृथ्वी में प्रदूषण हो, न जन्म हो रोगों का,
स्वच्छ हो वातावरण, तो सुन्दर होगा मन।
एक पेड़ लगा करके, प्रदूषण खत्म कर दो।।

पेड़ो को काटा है, अपनी सुख-सुविधा में,
नदियों को बाँधा है, लाभ हों जीवन में।
लालच ने छीना है, हमसे वातावरण प्यारा,
अब बंजर भूमि को, हमें हरा बनाना है।
एक पेड़ लगा करके, धरती को बचाना है।।

दूषित दवाई से, जब फसलों को उगाया है,
सब्जी और फल भी, हमने शुद्ध न पाया है।
मानव ने प्रकृति का, जब स्वरूप बिगाड़ा है,
रोज नयी बीमारी से, निकले अब हमारा दम।।

पेड़ो को न काटो तुम, धरती पर रहम कर लो।
एक पेड़ लगा करके, धरती को हरा कर दो।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन दिन- शनिवार

दिनांक- 27.05.2023

307

गीत- माँ की दुआएँ

तर्ज- कुमार विश्वास के मुक्तक

था इन्तजार जिस दिन का, वह दिन आया मेरी लाड़ो।
भर के खुशियाँ मुट्ठियों में, कोई लाया मेरी लाड़ो।
तू रौनक बनके उस घर की, चली जाएगी इस घर से,
लिया था जन्म जिस घर में, वह पराया मेरी लाड़ो।।

तेरे आँसू अमानत हैं, छोड़ जाना इसी घर में।
प्रतीक्षा में मिली बैठें, सारी खुशियाँ उसी घर में।
यही रब से दुआ मेरी, कोई गम ना मिले तुझको,
पसारे बाँह मिल जाए, एक और माँ उसी घर में।।

लगी हल्दी सजी मेहंदी, भरी है माँग कुमकुम से।
जरा हँस तो खिलखिलाकर, ना बैठो आज गुमसुम से।
चली जाओ कहीं भी तुम, यह वादा आज करते हैं,
ना दिल से दूर होगी तू, ना होंगे दूर हम तुमसे।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
क्षेत्र- धनीपुर, अलीगढ़, उ०प्र०

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- सोमवार

दिनांक- 29.05.2023

308

गीत- बिना शिक्षा अधूरे रह गये...

तर्ज़ - दिल के अरमाँ आँसुओं में .....

हम बिना शिक्षा अधूरे रह गये-2
हम बिना शिक्षा अधूरे रह गये-2
खुशियों के ये द्वार सूने रह गये-2
हम बिना शिक्षा अधूरे रह गये...

ख्वाब जितने थे, सभी आँखों में ही-2
सूने-सूने और अधूरे रह गये-2
हम बिना शिक्षा अधूरे रह गये-2

हम बिना शिक्षा अधूरे रह गये-2
खुशियों के ये द्वार सूने रह गये-2

ज्ञान बिन सूना है ये जीवन सुनो-2
पुस्तकों बिन हम भटकते रहे गये-2
हम बिना शिक्षा अधूरे रह गये-2

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

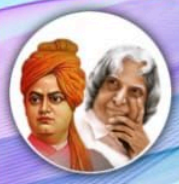

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- मंगलवार

दिनांक- 30.05.2023

309

तर्ज- काहे बैर करे इंसान तू है दिन का मेहमान....

गीत- भीम हैं बड़े महान

तूने देश को दिया संविधान,
मेरे भीम हैं बड़े महान।
मेरे भीम हैं बड़े महान,
मेरे भीम हैं बड़े महान। ।

छुआछूत को मिटाया जिसने,
मानव धर्म सिखाया जिसने ।
भेदभाव, पाखण्ड मिटाकर,
सत्यराह पे चलाया जिसने।
किया मानव का उत्थान,
मेरे भीम हैं बड़े महान। ।

नारी को अधिकार दिलाया,
रुढ़िवाद को जड़ से मिटाया।
द्वेषभाव को मन से भुलाकर,
कर्म के पथ पे हमको चलाया।
भरा जिसने हृदय में ज्ञान,
मेरे भीम हैं बड़े महान। ।

अछूतों को अधिकार दिलाया,
पिछड़ों को जीना सिखलाया।
नव भारत निर्माण कराकर,
जिसने सारा भेद मिटाया।
किया हम सबका कल्याण,
मेरे भीम हैं बड़े महान। ।

रचना- रविन्द्र कुमार सिरोही (स0अ0)
प्रा0 वि0 सूप -2
छपरौली, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- बुधवार

दिनांक- 31/05/2023

तर्ज़- छन्द

310

गीत- गुरु महिमा

सरल सुन्दर अति मनोहर,
रूप गुरु का दीखता।
छवि है निराली अत्युत्तम,
जिनका प्रभाव है गूँजता।।

सीखे हैं उनसे बहुत कुछ,
अब भी निरन्तर सीखना।
गुरु पूज्य देवाधिदेव हैं,
उनकी करूँ आराधना।।

अखण्ड तेज प्रताप उनका,
दे रहा नव ओज है।
उनकी कृपा से पल्लवित,
ओजस्विता चहुँ ओर है।।

महिमा अकथ गुरु धाम की,
महिमा अकथ गुरु नाम की।
गुरु तेज ऐसा है प्रबल,
जीतूँ सकल संग्राम भी।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

रचनाकारों की सूची

1 शहनाज बानो, चित्रकूट
2 हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
3 मंजू शर्मा, हाथरस
4 शिखा वर्मा, सीतापुर
5 भावना शर्मा, मेरठ
6 पूनम नैन, बागपत
7 शालिनी गुप्ता, सोनभद्र
8 ज्योति विश्वकर्मा, बांदा
9 जुगलकिशोर त्रिपाठी, झांसी
10 सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
11 नीलम सिंह, हाथरस
12 अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी
13 पूनम गुप्ता, अलीगढ़
14 रविन्द्र कुमार सिरोही, बागपत

मार्गदर्शन
राजकुमार शर्मा, चित्रकूट
तकनीकी सहयोग
जितेन्द्र कुमार, बागपत
ज्योति सागर, बागपत

संकलन - गीतांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429